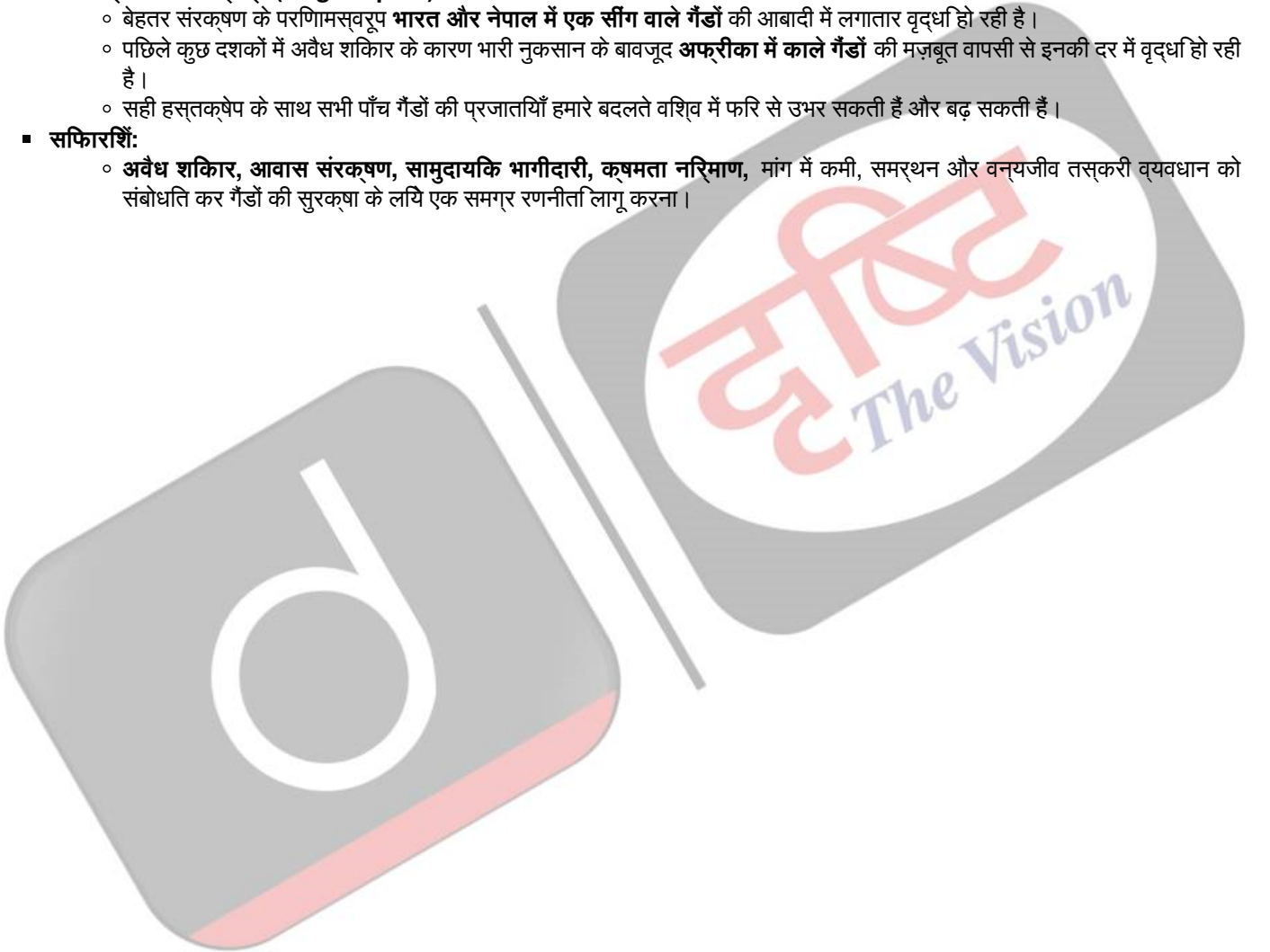


- **अवैध शिकार, आवास स्थान की हानि:** अवैध शिकार अभी भी सभी पाँच गैंडों की प्रजातियों के लिये खतरा है और कई क्षेत्रों में यह बढ़ गया है जनिहें पहले लक्षति नहीं कथिा गया था ।
 - **दक्षणि अफ्रीका** अपने सफेद गैंडों के अवैध शिकार से होने वाली वनिशकारी क्षतिसे जूझ रहा है ।
 - लगातार अवैध शिकार के दबाव के बावजूद **काले गैंडों** की आबादी बढ़ रही है ।
- **जलवायु परिवर्तन:**
 - **अफ्रीका में, जलवायु परिवर्तन-प्रेरति सूखा** असंख्य हानिकारक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है ।
 - **एशिया में** नाटकीय रूप से वर्षा में वृद्धि और लंबी **मानसून** अवधि के कारण प्रत्यक्ष तौर पर अधिक गैंडों एवं मनुष्यों की मृत्यु हो सकती है ।
 - **मौसम की बदलती परस्थितियों** और परदृश्यों में भी **आक्रामक पौधों की प्रजातियों** में वृद्धि हो सकती है, जो देशी गैंडे के भोजन के आवश्यक पौधों को खत्म कर सकती है या उनके सामान्य नविस स्थान के हानिका कारण बन सकती है ।
- **गैंडों की स्थिति:**
 - **जावा राइनो/गैंडे:** शेष बचे लगभग 76 जावा राइनो में से 12 की स्थिति और ठकिना अज्ञात है ।
 - **सुमात्रन राइनो/गैंडे:** सुमात्रन राइनो के चहिनों को **दूँढना कठनि होता जा रहा है**, जसिसे वन में उनकी आबादी के वषिय में अधिक अनश्चिता की स्थिति उत्पन्न हो रही है ।
 - **व्हाइट राइनो/गैंडे:** "**वशिव के सबसे बडे राइनो फार्म**" के 2,000 व्हाइट राइनो को पूरे अफ्रीका के जंगलों में छोड़ा जाएगा ।
- **बेहतर स्थिति वाले क्षेत्र (Bright Spots):**
 - बेहतर संरक्षण के परिणामस्वरूप **भारत और नेपाल में एक सींग वाले गैंडों** की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है ।
 - पछिले कुछ दशकों में अवैध शिकार के कारण भारी नुकसान के बावजूद **अफ्रीका में काले गैंडों** की मज़बूत वापसी से इनकी दर में वृद्धि हो रही है ।
 - सही हस्तक्षेप के साथ सभी पाँच गैंडों की प्रजातियाँ हमारे बदलते वशिव में फरि से उभर सकती हैं और बढ़ सकती हैं ।
- **सफिरशें:**
 - **अवैध शिकार, आवास संरक्षण, सामुदायकि भागीदारी, क्षमता निर्माण,** मांग में कमी, समर्थन और वन्यजीव तस्करी व्यवधान को संबोधति कर गैंडों की सुरक्षा के लिये एक समग्र रणनीति लागू करना ।



गैंडा RHINOCEROS

विश्व गैंडा दिवस- 22 सितंबर (2010 में WWF द्वारा घोषित)

गैंडे की 5 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	क्षेत्र, जहाँ पाए जाते हैं	IUCN की रेड लिस्ट में स्थिति	आवास
अफ्रीकन व्हाइट	अफ्रीका	संकट के निकट	लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	गंभीर रूप से संकटग्रस्त	अर्ध-रेगिस्तानी सवाना
एक सींग वाले गैंडे	एशिया	सुभेद्य	उष्णकटिबंधीय घास के मैदान
जावा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय वन
सुमात्रा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	सवाना की तरह ही

उजुंग कुलोन नेशनल पार्क (यूनेस्को WHS)
पृथ्वी पर अंतिम शेष जंगली जावा राइनो का घर है

एक सींग वाले गैंडे

केवल भारत में पाई जाने वाली प्रजाति (इंडियन राइनो)

विशेषताएँ

- 5 प्रजातियों में से सबसे बड़ी प्रजाति
- एक काली सींग और त्वचा की सिलवटों के साथ एक भूरे रंग की रवाल से पहचाना जाता है

खतरे

- सींगों के लिये अवैध शिकार
- आवास की क्षति
- आनुवंशिक विविधता में कमी

संरक्षित क्षेत्र (भारत)

- उत्तरप्रदेश :
 - दुधवा टाइगर रिज़र्व
- पश्चिम बंगाल :
 - नलदापारा राष्ट्रीय उद्यान
 - गोरुमार राष्ट्रीय उद्यान
- असम :
 - पबितोरा वन्यजीव अभ्यारण्य
 - ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
 - कालीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (गैंडों की अधिकतम संख्या: ~2400)
 - मानस राष्ट्रीय उद्यान

संरक्षण प्रयास (भारत)

- राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति
- इंडियन राइनो विज़न 2020 (2005 में लॉन्च)

एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा 2019
5 राइनो रेंज के 5 देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया)
द्वारा हस्ताक्षरित



Drishti IAS

भारत द्वारा संरक्षण प्रयास:

- **स्थानांतरण:** वर्ष 2023 की शुरुआत में **मानस राष्ट्रीय उद्यान** में गैंडों के स्थानांतरण को वर्ष 2024 के लिये पुनर्निर्धारित किया गया था, जबकि जनवरी में एक अवैध गैंडे की खोज के बाद सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया था।
- **राइनो कॉरडोर:** वर्ष 2022 में असम सरकार ने उत्तर-मध्य असम में **ओरंग राष्ट्रीय उद्यान** में लगभग 200 वर्ग कमी. क्षेत्र जोड़ने को अंतिम रूप दिया, जो इस संरक्षित क्षेत्र और प्रमुख गैंडा आवास के आकार के दोगुना से भी अधिक है।
 - इस अतिरिक्त भूमि के साथ ओरंग राष्ट्रीय उद्यान अब पूर्व में **बुरहाचपोरी वन्यजीव अभयारण्य** से जुड़ गया है, जिससे असम में राइनो वाले सभी संरक्षित क्षेत्रों के बीच जुड़े एक गलियारे का निर्माण पूरा हो गया है, ये हैं: **मानस राष्ट्रीय उद्यान, पोबतिरा वन्यजीव अभयारण्य, ओरंग राष्ट्रीय उद्यान, लाओखोवा और बुरहाचपोरी वन्यजीव अभयारण्य** और **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान**।
- **एशियाई राइनो पर नई दलिली घोषणा:** भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया ने राइनो प्रजातियों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।
- **सभी राइनो का DNA प्रोफाइल:** यह परियोजना अवैध शिकार को रोकने और राइनो से जुड़े वन्यजीव अपराधों में सबूत इकट्ठा करने में मदद करेगी।
- **राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति:** इसे एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण के लिये वर्ष 2019 में शुरू किया गया था।
- **इंडियन राइनो वजिन 2020:** यह वर्ष 2020 तक भारतीय राज्य असम के सात संरक्षित क्षेत्रों में वसित कम-से-कम 3,000 से अधिक एक सींग वाले राइनो की संख्या में वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. एशियाई शेर प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।
3. एक-सींग वाला गैंडा प्राकृतिक रूप से सरिफ भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)